कहानीकार योगेंद्र आहूजा को 'आनंद सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान'

चर्चा में क्यों?

4 अक्तूबर, 2023 को आनंद सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान समिति की बैठक में कहानीकार योगेंद्र आहूजा को 'आनंद सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान' दिये जाने का निर्णय लिया गया।

प्रमुख बिंदु

- बैठक में संयोजक शैलेंद्र सागर, वरिष्ठ कहानीकार शिवमूर्ति, रंगकर्मी अखिलेश और लेखिका रजनी गुप्त शामिल रहीं।
- आनंद सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान के अंतर्गत 21 हज़ार रुपए व सम्मान चिह्न प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान पाँच नवंबर को समारोह में दिया जाएगा।
- वरिष्ठ साहित्यकार शैलेंद्र सागर ने बताया कि 1 दिसंबर, 1969 को उत्तर प्रदेश के बदायूँ में जन्मे योगेंद्र आहूजा हिन्दी कथा साहित्य के विशिष्ट एवं चर्चित कहानीकार हैं। उन्होंने उत्तराखंड के काशीपुर तथा उत्तर प्रदेश के बरेली ज़िले में शिक्षा ग्रहण की। योगेंद्र आहूजा की पहली कहानी प्रतिष्ठित पत्रिका पहल में 1991 में प्रकाशित हुई। इसके बाद लेखक ने मर्सिया, गलत, एक पुरानी कहानी, खाना, लफ्फाज, कुश्ती, एक्यूरेट, पैथोलॉजी जैसी लोकप्रिय कहानियाँ लिखीं।
- योगेंद्र आहूजा का पहला कहानी संग्रह अंधेरे में हँसी 2004 में प्रकाशित हुआ। अभी हाल ही में पुस्तक टूटते तारों तल प्रकाशित को पूर्व में कथा पुरस्कार, परिवेश सम्मान, विजय वर्मा सम्मान, रमाकांत स्मृति पुरस्कार, स्पंदन सम्मान और प्रेमचंद स्मृति सम्मान मिल चुका है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/anand-sagar-smriti-kathakram-award-to-story-writer-

The Vision